regime, there are safeguards in the Agreement against the abuse of patent rights by the right holder. We have flexibility to devise our own sui generis system of plant variety protection with provisions for farmers' and researchers' rights. Our development and public welfare policies will not be constrained.

अभ्रक का व्यापार तथा उत्पादन

6278. **श्री शंकर दयाल सिंह** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) देश में इस समय अभ्रक के व्यापार की स्थिति क्या है तथा इसका उत्पादन कितना है ;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान भारत ने किन-किन देशों को अभ्रक का निर्यात किया है ;

(ग) क्या "मिटको" (एम०आई० टी०सी०ओ०) अभी भी कार्यरत है ; और

(घ) यदि हां, तो इसके कार्यों से अभ्रक के व्यापार को क्या लाभ है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) : (क) वर्ष 1990-91 तथा 1991-92 की अवधि के दौरान निर्यात किये गये अभ्रक (सभी उत्पादों को शामिल करके) का उत्पादन तथा मात्रा एवं मूल्य नीचे दिये जाते हैं:-

वर्ष	उत्पादन मात्रा (एमटी)	निर्यात		
		मात्रा (एमटी)	मूल्य (लाख रु०)	
	कच्चा/स्क्रैप/अपशिष्ट			
1990-91	3806	2639	42596	5131.00
1991-92	3353	1944	34880	5548.00
1992-93	शून्य	शून्य	27741	3834.73

स्रोत : उत्पादन : आई बी एम नागपुर
निर्यात : डीजीसीआई एंड एस कलकत्ता

(ख) भारत से जिन देशों को अभ्रक का निर्यात होता है वे हैं : आस्ट्रेलिया, आस्ट्रिया, बहरीन आई एस, बांगलादेश, बेल्जयम, चिली, चीनी-ताइपेई, चीन जनवादी, गणराज्य, कोलम्बिया, चेकोस्लोवाक, फिनलैंड, फ्रांस, जर्मन संघीय गणराज्य, ग्रीस, हांगकांग, इंडोनेशिया, इजरायल, इटली, जापान, कोरिया, जनवादी गणराज्य, कोरिया गणराज्य, साइबेरिया, मलेशिया, नेपाल, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नार्वे, ओमान, फिलिपीन्स, पोलैंड, कतर, रोमानिया, सऊदीअरब, सिंगापुर, स्पेन, स्वीडन, स्विटजरलैंड, थाईलैंड संयुक्त अरब अमीरात, यु०के०, यू०एस०ए०, सी आई एस देश, यमन गराणज्य, युगोस्लाविया ।

स्रोत : डीजीसीआई एस, कलकत्ता ।

(ग) और (घ) जी, हां । मिटको अभ्रक कतरन के लिये लाभकारी कीमतों के लिये वार्ता कर सकती है क्योंकि उसका सरणीयन इसके मार्फत होता है । यह मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात को भी बढ़ा रहा है ।